

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए  
निर्मित पाठ्यक्रम की रूपरेखा

कक्षा	सत्रार्ध म्	पत्रकूटा इक:	पाठ्यक्रमस्य विवरणम्	क्रेडिट क्रमः	क्रेडिट संख्या	होरा	
शास्त्री प्रथम वर्षम्	चतुर्थम्	GE-4	<p>नाटिकापरम्परा रत्नावली च</p> <p>1. नाटिकापरम्परा</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● नाटिकायाः स्वरूपम्</li> <li>● उपलब्धा नाटिकाः</li> <li>● रत्नावलीकारस्य श्रीहर्षस्य परिचयः</li> <li>● नान्दी <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ नान्दाः स्वरूपम्</li> <li>➤ रत्नावल्यां नान्दी</li> </ul> </li> <li>● प्रस्तावना <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ प्रस्तावनायाः स्वरूपम्</li> <li>➤ रत्नावल्यां प्रस्तावना</li> </ul> </li> <li>● विष्कम्भकः <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ विष्कम्भकस्य स्वरूपम्</li> <li>➤ रत्नावल्यां विष्कम्भकः</li> </ul> </li> <li>● मदनमहोत्सवः <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ राजा विदूषकेण च मदनमहोत्सववर्णनम्</li> <li>➤ द्विपदीखण्ड गायनीभ्यां चेटीभ्यां विदूषकस्य क्रीडा</li> <li>➤ चेटीभ्यां राजानं प्रति मदनपूजाविषयकस्य वासवदत्तासंदेशस्य निवेदनम्</li> <li>➤ राज्ञो विदूषकेण सह मकरन्दोद्याने प्रवेशः</li> <li>➤ मकरन्दोद्यानरामाणीयकम्</li> <li>➤ वासवदत्तयाः कगङ्चनमालया सागरिकया परिवारेण च सह मदनार्चनाय प्रवेशः</li> <li>➤ वासवदत्तया सारिकारक्षण-व्याजेन सागरिकाया विसर्जनम्, मदनरूपस्य राज्ञः पूजनम्, किन्तु तत्रैव स्थितया सागरिकया अपि मदनभ्रान्त्या राज्ञः पुण्यैः समर्चनं च</li> <li>➤ वैतालिकवचनेन राजनि मदनभ्रमे निवृते सागरिकया राजानं प्रत्युरागः</li> <li>➤ सायंसन्ध्या</li> </ul> </li> <p>2. कदलीगृहवृत्तान्तः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रवेशकः</li> <li>➤ प्रवेशकस्य लक्षणम्</li> <li>➤ सागरिकयाः कदलीगृहे प्रवेशः</li> <li>● सागरिकया राजधित्रस्य निर्माणं विरहव्याधातिशयेन तस्या मूर्छा च</li> </ul> </ul>	4	64+16		

		<ul style="list-style-type: none"> <li>● सागरिकाया: सुसंगतया सह कदलीगृहान्निष्क्रमणं, वासवदत्तान्तः च</li> <li>● कदलीगृहे राजा उदयनस्य सागरिकया समागमः, वासवदत्तागमनशङ्कया सागरिकाया: ततो निष्क्रमणं च।</li> <li>● चित्रफलके राजा सह सागरिकायाश्चित्रं विलोकितवत्या वासवदत्ताया: कोपः</li> </ul> <p>3. वासवदत्तावेषया सागरिकया राजा: समागमः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● सुसंगताया विदूषकस्य च पुनः राजा सागरिका-समागमस्य गुप्तयोजना</li> <li>● वासवदत्तावेषया सागरिकया समागमायोत्सुकस्य राजो विदूषकेण सह चित्रशालिकाद्वारे प्रवेशः</li> <li>● वासवदत्ताया: पुनःकोपे राजा: सागरिकाहेतुको विषादश्च</li> <li>● वासवदत्तावेषया सागरिकया राजा: समागमः, वासवदत्ताया: पुनः कोपः, प्रसादनाय राजो गमनं च</li> </ul> <p>4. रत्नमालाया अधिगमः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● विदूषकेण राजो हस्ते रत्नमालाया: समर्पणम्</li> <li>● सेनापते रुमण्वतो विजयो राजो यौगन्धरायणे प्रसादश्च</li> <li>● ऐन्द्रजालिकवृत्तान्तः, सागरिकाया रत्नावल्या देवीपदप्राप्तिः, भरतवाक्यं च</li> </ul>	1	16+4
		<p>उद्देश्यम्:- नाटिकापरम्परया: रत्नावलीनाटिकाया: च अवबोधनम्</p> <p>परिणामः:- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनावन्तरं छात्राः</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. नाटिकापरम्परां ज्ञास्यन्ति।</li> <li>2. वासवदत्ताया: राजनि स्थितम् अनुरागं ज्ञास्यन्ति।</li> <li>3. रत्नावल्या: संविधानकं ज्ञास्यन्ति।</li> </ol> <p>पाठ्यग्रन्थः- श्रीहर्षप्रणीता रत्नावलीनाटिका सम्पूर्णा, तारिणीश ज्ञा, रामनारायणलाल विजयकुमार इलाहाबाद-211002</p> <p>सहायकग्रन्थः-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा विश्वभारती अकादमी, वाराणसी-2010</li> <li>2. संकृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन वाराणसी, 2001</li> <li>3. कालिदास ग्रन्थावली, कालिदास, ब्रह्मानन्दत्रिपाठी, पण्डित रामतेजशास्त्री, चौखम्भासुभारती प्रकाशन, वाराणसी, 221001</li> </ol> <p>परीक्षामूल्याङ्कनपद्धतिः-1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तरणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघुतीयप्रश्ना:, 4. दीर्घोत्तरप्रश्ना:।</p> <p>आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आग्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम् 1. कार्यशालासु भागग्रहणम्,</p> <p>2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिर्माणम्,</p> <p>4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्,</p> <p>6. वाच्चर्थनीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p>		

